JOURNEY OF NATIONAL ICT AWARDEE

JAGDAMBA PRASAD DOBHAL

(National ICT Awardee-2012)

Profile

D.O.B– 14th July 1968
Home District-- Dehradun

1-Educational Qualification– P.G in Mathematics, English, Mass Comm., Human Rights (pursuing)

2-Professional Qualification..B.Ed., M.B.A. (Edu. Mngt.)

3-Date of joining, as a Govt. teacher..2nd August 1991

4-Total Teaching Experience—32+ years

5-Serving presently as an Assistant Teacher (Mathematics)

6-Present School

SKSC Inter College Uppu, Tehri Garhwal Uttarakhand

Academic Timeline

High School -1983 → Fail in MATH in Class 11th → Intermediate 1986

Graduation 1988 → B.Ed. 1990 → Public School Teacher- 1990-1991

Govt. Job (Assistant Teacher)--1991

Credit—Dilip Nayal & Asha Badola

पहला विद्यालय --Aug 1991-July1993

रा0 उ0 मा0 वि0 बहेड़ाखाल पौड़ी गढ़वाल

1- सड़क/गाड़ी/पानी/आवास और यातायात की सुविधाएं नहीं थी ......

2-दैनिक जरूरतों के सामान के लिए 35 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था......

(यदि यातायात मार्ग खुला हुआ हो.....)

शिक्षार्थियों के माध्यम से Outcomes (1991-1993)

1-Co-curricular activities-- Debates/G.K./ Assembly Mentoring….

2-रेडक्रॉस प्रतियोगिता में विदयालय की टीम का जिले में और मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद तत्कालीन उत्तर प्रदेश में राज्य स्तर के लिए चयनित होने तक मार्गदर्शन…..

3-बोर्ड परीक्षा फल…… सामान्य

दूसरा विद्यालय-- July 1993-Dec1996

राजकीय इंटर कॉलेज सबधरखाल पौड़ी गढ़वाल

1-अपेक्षाकृत सुविधाजनक विद्यालय ......

2-बोर्ड परीक्षाफल– सामान्य **(Civil Services Preparation)**

तीसरा विद्यालय -Dec1996--July 2002

राजकीय इंटर कॉलेज मदन नेगी टिहरी गढ़वाल

Credit- M.S.Panwar Sir

1-भौगोलिक रूप से बहुत ही चुनौतीपूर्ण स्थान

2- Basic Infrastructure भी Critical..

3--Students&700^{+}

4-बोर्ड परीक्षा फल...... सामान्य

Curricular और Co-Curricular Outcomes में Quantitatively & Qualitatively सुधार हुआ

6-Computer पहली बार किसी निजी Training Centre में देखा था---2000 A.D. में....

Credit--Freepik

अभी तक मैं स्वयं का मूल्यांकन नहीं कर पाता था और मानता था कि....

“विज्ञान गणित का सर्वश्रेष्ठ अध्यापक दुनिया में मैं ही हूं”.........“मुझे सब कुछ आता है”

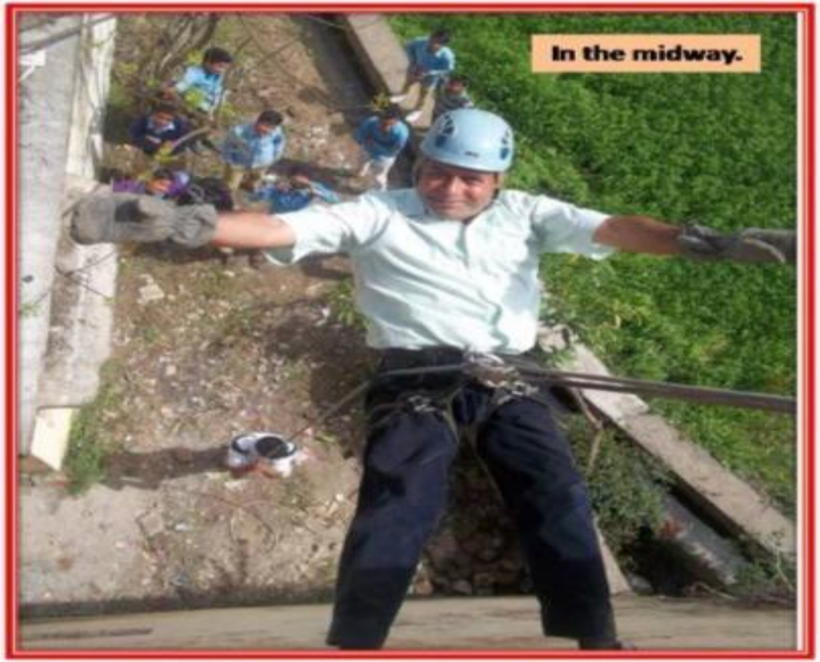

चौथा विद्यालय-July 2002-Dec 2005

सरदार सिंह रावत इंटर कॉलेज नैनबाग टिहरी गढ़वाल

Credit—Sarswati Chauhan

1. बहुत ही सुविधाजनक विद्यालय....

2. **Basic Infrastructure**-सामान्य...

3. शिक्षार्थी--500+

4. बोर्ड परीक्षाफल---- सामान्य...

5. **Curricular और Co-Curricular Outcomes में Quantitatively & Qualitatively सुधार हुआ.... और दोनों क्षेत्रों में Sustainable Transcendency बनने लगी...**

- स्व मूल्यांकन करने की क्षमता उत्पन्न हो चुकी थी ...
- शैक्षणिक क्षेत्र में बहुत कुछ सीखना बाकी है .....
- शिक्षक साथियों और विद्‍यार्थियों से भी सीखने की ललक पैदा हुई........

Departmental Trainings Received/ C.P.D.

1-Basic and Advanced Computer trainings under the flagship of Intel and Microsoft (10 days each)----2002 to 2005

2-**पर्यावरण आधारित 10 दिवसीय सामान्य प्रशिक्षण....**

3-C.C.R.T. उदयपुर से 10 दिवसीय Holistic प्रशिक्षण.....

(Centre for Cultural Resource and training)

OUT COMES- (Through Stakeholders)

•विज्ञान और गणित विषय के विभिन्न Contents पर Presentations बनाई और उन्हें कक्षा में Computers पर Display किया .....शुरुआती दौर.....

•विज्ञान और गणित विषय का Classroom Teaching-Learning Process (CrTLP) थोड़ा सा Attractive और Interactive बनने लगा......Encarta

•विद्यालय के लगभग 3200+ शिक्षार्थियों का (विद्यालय स्थापना वर्ष 1972 से 2005 तक का) Database बनाया जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में लगभग 40 सूचनाएं थी.......

•इस **Database** बनाने का उद्देश्य **School administration** या **Official Staff** को समय का लाभ देना था हालांकि इसका **Judicious** उपयोग शायद ही कभी हो पाया हो......

1. **सर्व शिक्षा अभियान आधारित कई प्रतियोगिताओं में भाग लेकर Math-Science के Tools विकसित करने की समझ बनी....**

2. Social Accountability समझ कर विद्यार्थियों से बेकार Polythene को एकत्र करवा करके Ropes बनवाई...... विद्यालय को Pollution Control Board ने राज्य में विद्यालय श्रेणी में प्रथम स्थान के

जाने अनजाने या Subconsciously NCF/Constructivism /Experiential Learning की शुरुआत

पांचवां विद्यालय ---Dec 2005-July2019
राजकीय इंटर कॉलेज दूधली देहरादून

अध्यापक के रूप में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, Professional और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न चुनौतियां को समझने और उन चुनौतियों को अपने Stakeholders के माध्यम से उनका समाधान करने की समझ विकसित करने का **Golden Time** प्रारंभ हुआ जो

OUTCOME-1

Use Of I.C.T. in Curricular and Co-Curricular areas….

दुधली कालेज में अव्यवस्था पर गहरी चिंता जतायी

जागरण कार्यालय, डोईवाला

दुधली स्थित राजकीय इन्टर कालेज में बढ़ती अव्यवस्थाओं एवं शिक्षा के दिन-प्रतिदिन गिरते स्तर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार शिक्षकों के स्थानान्तरण की मांग उठाई।

दुधली क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि दुधली में स्थित विद्यालय का शिक्षा का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। क्षेत्र में विद्यालय होते हुए भी यहां विद्यार्थी दस किलोमीटर दूर अन्य स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए मजबूर हो रहे है। विद्यालय में फीस के नाम पर घोर अनियमितताएं है। अध्यापकों द्वारा छात्र-छात्राओं से अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। प्रधानाचार्य की हठधर्मिता के चलते स्कूल के प्लेग्राउन्ड में बिल्डिंग का निर्माण कराना शामिल है। गृह परीक्षाओं का भी लगातार परीक्षा परिणाम गिरता जा रहा है। अध्यापकों में आपसी मतभेद के कारण विद्यालय के विद्यार्थियों का भविष्य चौपट हो रहा है। अभिभावक संघ के अलावा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक से … शीघ्र कार्यवाही कर काफी … यालय में शिक्षा देने का … शिक्षकों का स्थानान्तरण …

March2005

दूधली इंटर कालेज में शुरू होगी ई-टीचिंग

जागरण कार्यालय, डोईवाला

राजकीय इंटर कालेज दुधली में शिक्षा को टेक्नोलाजी से जोड़कर शिक्षण पद्धति को नया स्वरूप देने की तैयारी शुरू की जा रही है।

कम्प्यूटर आधारित शिक्षा पद्धति को अपनाने से छात्र-छात्राओं के बहुमुखी विकास में सहायता मिलेगी। राजकीय इंटर कालेज दूधली के प्रधानाचार्य आरआर भारती ने बताया कि कम्प्यूटर आधारित शिक्षा (ई-टीचिंग) का उद्घाटन 15 मई को निदेशक इण्टेल नई दिल्ली, साथ निदेशक इण्टेल उत्तरांचल के साथ शिक्षा ... कई उच्चाधिकारी भी मौ...

उन्होंने बताया कि विद्यालय में शिक्षण कार्य को टेक्नालाजी के साथ जोड़कर प्रत्येक कक्षा में कम्प्यूटर से कार्य कराया जायेगा। विद्यालय में विभिन्न ज्ञानवर्द्धक सीडी का एक वृहद बैंक भी बनाया गया है।

विद्यालय की पीटीए अध्यक्ष श्रीमती आनंदी जोशी ने बताया कि सरदार भगवान सिंह इंस्टीट्यूट आफ बायो मेडिकल साइंस के निदेशक एस.पी. सिंह, ग्राम प्रधान चौ. सुमंत सिंह द्वारा भी इसमें विशेष सहयोग दिया गया है। कार्यक्रम में अपर शिक्षा निदेशक, उप ... जिला शिक्षा अधिकारी, ...धिकारी भी मौजूद रहेंगे।

May-2006

USE OF I.C.T. IN (CR.T.L.P.)

Classroom Teaching Learning Process

रा.इ.का दूधली का प्रयोग सफल

ई–टीचिंग के सार्थक परिणाम

पन्द्रह मई को राजकीय इंटर कॉलेज दूधली में जिला शिक्षा अधिकारी देहरादून के संरक्षण में आरंभ की गई ई–टीचिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। हाईस्कूल स्तर पर माह जनवरी 06 से अपनाई गई इस योजना के मात्र 2 माह में ही विद्यालय के हाईस्कूल परीक्षाफल में जहां 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं हाईस्कूल विज्ञान विषय का उत्तीर्ण प्रतिशत 71 हो गया, जो गत वर्षों तक महज 35–40 तक ही रहता था। हाईस्कूल की प्रारंभिक गणित का परीक्षाफल भी गत वर्षों के 10 या 15 प्रतिशत की अपेक्षा इस वर्ष 80 प्रतिशत रहा है व छात्रों के अंक 64 से लेकर 74 के बीच हैं। विद्यालय की शिक्षक अभिभावक संघ की अध्यक्ष आनंदी जोशी ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय में प्रारंभ की गई ई–टीचिंग को दिया है तो विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इसका श्रेय सरदार भगवान सिंह बायो मेडिकल के एस.पी. सिंह को दिया है, जिन्होंने गत वर्ष से विद्यालय की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का ग्यारह सौ रुपए व द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पांच सौ प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। विद्यालय में इंटरनेट व लैन की सुविधा से युक्त लैब से छात्र–छात्राएं विभिन्न प्रकार की जानकारी अनेक वेबसाइट्स से प्राप्त कर सकेंगे। प्रधानाचार्य ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों में नई ऊंचाईयां छूने का प्रयास करेगा। इसके लिए उन्होंने अपने विभागीय उच्चाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय अभिभ… …क्षा की है। गत वर्ष यहां छात्रों की संख्… …ाफल देखकर छात्रों की संख्या 300 से … …जदीकी गांव में जूनियर हाईस्कूल भी है…

Aug-2006

…POWERFUL DRIVES…

1-**अपने घर से Coloured T.V. लेकर अपने Resources से Dish Antenna लगवाया….**

2-कक्षा में समाचार सामान्य ज्ञान और Edutainment….

गांव की वैज्ञानिक छात्रा मिलेगी राष्ट्रपति से

गांव की वैज्ञानिक छात्रा मिलेगी राष्ट्रपति से

जागरण कार्यालय, डो

क्षेत्रों
कर्म
आव
उनक
अव
की।
काले
कक्षा ग्यारह की छात्रा ज्यो
अंदर छिपे वैज्ञानिक गुणे
अपने उज्जवल भविष्य
27 दिसम्बर को असोम
अब्दुल कलाम से मुखाति
उत्तरांचल का प्रतिनि
विचार रखेंगी।

ज्योति पाण्डेय ने टन
राज्य स्तरीय विज्ञान महोत्
प्रोजेक्ट, स्लोगन व पोस
राष्ट्रीय स्तर को क्वालीफा
प्रोजेक्ट में ज्योति ने नदिय
साफ करके संरक्षित करने
है, यदि उसे अमलीजामा
निश्चित रूप से हमारी प्र
को साफ रखा जा सकता
अध्यापक जगदम्बा प्रसाद डोभाल ने बताया ... पाने में सफल हुई है।

कक्षा कक्ष की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में ICT का प्रयोग करने पर, उत्तराखंड में, इंटेल और शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पहली प्रतियोगिता में वर्ष 2008 में.........

कम्प्यूटर शिक्षा: खंडूड़ी

• इंटेल ने प्रदेश सरकार के साथ किया एमओयू

टेक्नोलाजी इन एजुकेशन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री।

देहरादून, जागरण संवाददाता: मुख्यमंत्री भुवन चंद खंडूड़ी ने मंगलवार को टेक्नोलाजी इन एजुकेशन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इंटेल के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित सम्मान समारोह में सीएम ने कहा कि सरकार राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में कम्प्यूटर शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह कार्य कठिन जरूर है, लेकिन इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए प्रयास जारी है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कम्प्यूटर शिक्षा को सुलभ बनाने के साथ साथ बच्चों में इसके प्रति रुचि पैदा करने की आवश्यकता जताई। समारोह में प्रदेश सरकार ने कंप्यूटर शिक्षा को दूर दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए इंटेल के साथ 'वर्ल्ड अहेड प्रोग्राम' के तहत एमओयू भी साइन किया। समारोह में शिक्षा मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि इंटेल के साथ भागीदारी कर उत्तराखंड में तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर लर्निंग की प्रक्रिया को अधिक कारगर बनाने के लिए प्रयास जारी हैं। इंटेल के दक्षिण एशिया के सेल्स एंड मार्केटिंग निदेशक संदीप अरोड़ा ने [illegible] वर्ल्ड अहेड प्रोग्राम के तहत स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का कार्य किया जा रहा है। इस मकसद से स्कूलों में कंप्यूटर के माध्यम से टेक्नोलाजी की पैठ बढ़ाने, शिक्षकों को शिक्षा में तकनीकी के कारगर इस्तेमाल के लिए बढ़ावा दे रहे हैं। समारोह में प्रतियोगिता के राज्य स्तर पर तीन छात्र-छात्राओं, दो अध्यापकों तथा दो स्कूलों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा जिला स्तर पर 11 विद्यार्थियों, 8 शिक्षकों तथा 4 स्कूलों तथा क्षेत्रीय स्तर पर 6 विद्यार्थियों, 4 शिक्षकों तथा 4 स्कूलों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही चार शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में प्रमुख सचिव शिक्षा केशव देसी राजू, शिक्षा सचिव हरीश चंद्र जोशी, इंटेल के दक्षिण एशिया शिक्षा प्रबंधक अंशुल सोनक आदि उपस्थित थे।

मंडल स्तर और राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया

Uttarakhand State Council For Science and Technology

Online Teaching (Synchronized Mode)—2012 U-COST

वेबसाइट पर मिलेगा उपलब्धियों का ब्योरा

डोईवाला: दूधली का राजकीय इंटर कालेज छात्र-छात्राओं को आधुनिक ज्ञान से जोड़ने के लिए नित नई पहल को अंजाम देता रहता है। इस कड़ी में विद्यालय ने एक कदम और बढ़ाया है। शीघ्र ही इंटेल की वेबसाइट को सर्च करने पर विद्यालय की उपलब्धियों का पूरा ब्योरा विद्यार्थियों के सामने होगा। कालेज ने न सिर्फ असम में कुछ माह पहले आयोजित विज्ञान महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ सौ विद्यालयों में जगह भी पाई है।

यहां इंटेल के विभिन्न प्रोजेक्ट शुरू किए जा चुके हैं। इससे विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव प्राप्त हुआ है। प्रधानाचार्य आरआर भारती ने बताया कि 15 मई, 2005 को इंटेल के सहयोग से ई-टीचिंग का कार्य कालेज में शुरू हुआ था। इससे गत वर्ष हाईस्कूल के परीक्षाफल में 23 प्रतिशत व इंटर स्तर पर 32 से 52 प्रतिशत तक का सुधार हुआ। शिक्षक जगदंबा प्रसाद डोभाल ने बताया कि इंटेल का प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग है और अब विद्यालय की उपलब्धियां इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध होना हमारे लिए गौरव की बात है। सरदार भगवान सिंह इंस्टीट्यूट बालावाला, सुसवा संरक्षण स... ब्लाक शिक्षा अधिकारी नारायण लाल का इसमें सहयोग मिला है

2010--??

सर्व शिक्षा अभियान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विचलित कर देने वाला दृश्य मिला........

2006-2007

OUTCOME-2

I.C.T. के माध्यम से tribal/nomadic children को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के के लिए प्रयास....

Jan-2007

सर्वशिक्षा के उजाले से आज भी दूर 'केमरी'

गुर्जरों के बच्चों को शारीरिक स्वच्छता के बारे में बताते एनएसएस छात्र।

वीरेन्द्र डंगवाल 'पार्थ'

देहरादून। पर्यावरण बचाने और वन संरक्षण के नाम पर सरकारें वन गुर्जरों को जंगलों से बाहर कर रही हैं। उन्हें मूलभूत सुविधाओं का झुनझुना दिखाकर आबादी के पास लाया जा रहा है। कहीं ...

सुविधाएं कभी मुहैया नहीं कराई जाती।

हकीकत यह है कि शिक्षा जैसे मूल अधिकार से वह वंचित है और इक्कीसवीं सदी में भी वन गुर्जरों के बच्चों के लिए शिक्षा दिवास्वप्न बनी हुई है। इसकी एक बानगी देहरादून शहर से मात्र पंद्रह किमी की दूरी पर बसा 'केमरी' गांव है। जहां आज ...

सैकड़ों स्कूल खुले है और हजारों बच्चों के नामांकन के आंकड़े मौजूद है लेकिन दून से मात्र पंद्रह किमी की दूरी पर गुर्जरों के बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था न होना हैरत में डालता है।

दून से वाया दूधली होकर डोईवाला जाने वाले मार्ग पर खट्टा पानी के नजदीक केमरी गांव है। गांव में वन गुर्जरों और नेपालियों के लगभग पचास परिवार हैं। आर्थिक रूप से अक्षम गुर्जर व नेपाली परिवार खेती व पशुपालन कर जीविका चला रहे है। उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नही है कि वह शहर में भेजकर बच्चों को पढ़ा सकें।

उनमें जागरुकता का भी अभाव है। वर्तमान में गांव में लगभग 35 बच्चे चार से बहर वर्ष की आयु वर्ग के है। जो विद्यालय न होने के कारण शिक्षा से वंचित हैं। विद्यालय के अभाव में गुर्जर व नेपाली परिवार चाहते हुए भी अपने बच्चों को पढ़ा नही पा रहे हैं। गांव के चार से पांच किमी के दायरे में कोई सरकारी विद्यालय नही है। उक्त गांव का नजदीकी विद्यालय बड़कली है जो गत वर्ष ही खुला है लेकिन बीच में सुसवा नदी पड़ने के कारण बच्चे वहां नही जा पाते। वन गुर्जरों का कहना है कि आज स्थितियां बदल चुकी हैं।

कड़वा सच

सरकार उनके पुश्तैनी व्यवसाय को वन संरक्षण के नाम पर खत्म कर रही है। ऐसे में वह भी बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं। वह भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पढ़कर फर्राटे से हिंदी/अंग्रेजी में बात करें और इज्जत की नौकरी करें, लेकिन विद्यालय न होने के कारण उनके अरमान दिल में ही दम तोड़ रहे हैं। उनकी इतनी हैसियत नहीं है कि वह पब्लिक स्कूल में बच्चे पढ़ा सकें।

एनएसएस छात्र-छात्राओं ने किया जागरूक

राइंका कालेज दूधली के एनएसएस से जुड़े छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उक्त गांववासियों को शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया है। गत माह एनएसएस की यूनिट ने खट्टा पानी में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया। शिविर के दौरान गांव की जानकारी होने पर यूनिट ने गांव जाकर अभिभावकों व बच्चों को साक्षरता व स्वास्थ्य की जानकारी दी। राइंका दूधली के प्रधानाचार्य डा. एचएस पाल का कहना है कि कालेज की एनएसएस यूनिट बहुत अच्छा कार्य कर रही है। यूनिट ने पिछले वर्ष भी शिविर लगाकर जन जागरूकता अभियान चलाया था। यूनिट हेड और कालेज के प्रवक्ता जेपी डोभाल ने छात्रों ...

स्थानीय गुर्जरों के घुमंतू बच्चों को विद्यालय लाने का प्रयास

फोटो खींचे और वीडियो बनाए.....

1

2

फोटो खींचे और वीडियो बनाए.

3

4

5

राजाजी नेशनल पार्क के जंगलों में 10 कि0मी0 अंदर, घने जंगलों में वर्ष 2009

N.S.S. के 10 दिवसीय दिन-रात के Camp के माध्यम से...

6

राष्ट्रीय सेवा योजन
01/01/2005

01/01/2005

01/01/2005

21
02/01/2005

कम आय वर्ग वाले परिवारों के बच्चों को विद्यालय लाने का प्रयास-- शौचालय का निर्माण.....

N.S.S. के Volunteers के माध्यम से केवल ₹600 में, 2 दिन में गांव में 5 लोगों के लिए वर्ष 2009 से वर्ष 2011-12 तक 4 Toilets बनाए.....

OUTCOME-3

I.C.T. के माध्यम से ग्रामीणों में पर्यावरण संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने के लिए प्रयास........

प्रत्येक बच्चे को एकत्र **10 Kg non-degradable waste** करना था ...

Drive.... विद्यालय के प्रत्येक बच्चे को 3 वर्ष तक राजाजी नेशनल पार्क की जंगल सफारी....

Fire Line—10K.M x 5 meters

अजय, अंकिता, मोनिका को प्रशस्ति पत्र

जागरण कार्यालय, डोईवाला

पर्यावरण संरक्षण व वन्य जीव संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य करने पर राजकीय इंटर कालेज दूधली के छात्र अजय कुमार, अंकिता वोरा, मोनिका वोरा को राजाजी नेशनल पार्क के माध्यम से राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है।

सुसवा नदी (दूधली) को साफ करने, पौधरोपण, पॉलीथिन हटाने, स्थानीय स्तर पर जन जागरूकता व सफाई कार्यक्रम को बिना एनएसएस होते हुए सुसवा संरक्षण समिति के अध्यक्ष दरपान सिंह वोरा के नेतृत्व में कई बार इस दिशा में कार्य करने पर 7 अक्टूबर 2006 को वन्य जीव प्राणी सप्ताह महोत्सव के समापन समारोह में प्रमुख सचिव एसके दास ने यह प्रशस्ति पत्र तीनों स्कूली बच्चों को प्रदान किए। चीफ वाइल्ड वार्डन श्रीकांत चंदोला, राजाजी नेशनल पार्क के निदेशक जीएस पांडे, रामगढ़ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी डीपी उनियाल, ग्राम प्रधान दूधली सुमंत चौधरी, अभिभावक संघ की अध्यक्ष आनंदी व प्रधानाचार्य आरआर भारती ने पूरे विद्यालय परिवार व छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

Cub Wildlife Warden of Uttaranchal

Forest Department

(डा० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम)
भारत के महामहिम राष्ट्रपति

GOVT. OF UTTARANCHAL

प्रमाण –पत्र

वन्यप्राणी सप्ताह–2006 के अवसर पर श्री अजय कुमार, कक्षा XI, राजकीय इण्टर कालेज, दूधली, देहरादून को दिनांक 01.10.2006 से 30.09.2008 तक दो वर्ष की अवधि के लिये *अवैतनिक कब वाईल्डलाइफ वार्डन* (Hony. Cub Wildlife Warden) नामित किया जाता है।

स्थान : देहरादून
दिनांक : 01 अक्टूबर, 2006

(श्रीकान्त चन्दोला)
मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक
उत्तरांचल

OUTCOME-4

Mathematics Laboratory ……2005-2014

बाद में इसका नाम…Integrated Lab …….2014-2019

गणित विषय के शुरुआती वर्षों के Tools.....

1

2

Constructivism….Project/Activity Approach

.....Experiential Learning....

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को कक्षा कक्ष से बाहर ले जाना

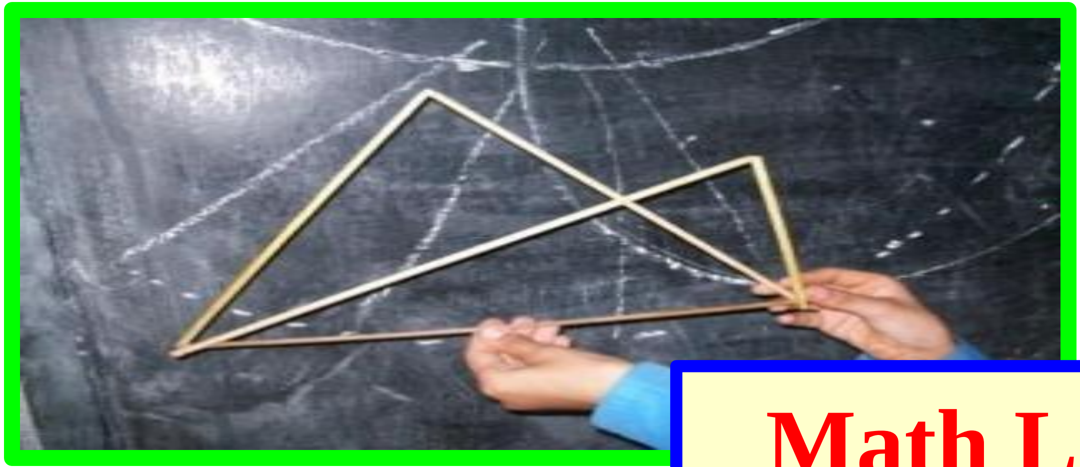

Math Lab--- Constructivism

$2\pi r^2$
ठोस अर्धगोला
ठोस गोला
25/04/2010

शंकु
25/04/2010

2010 A.D

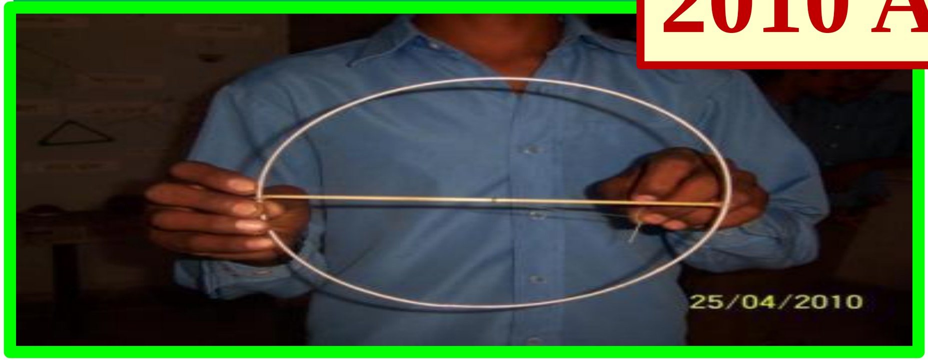
25/04/2010

25/04/2010

सामाजिक विषय का गणित विषय और History, Literature, Economy.. आदि विषयों के साथ Integration….

1

2

Cr.T.L.P. को कक्षा-कक्ष से बाहर ले जाना

LOCAL Ecological Indicators

Constructivism/ZPD आधारित गणित विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा की पूर्व तैयारी

गणित विषय मे बोर्ड परीक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षा…**Class -10**

बोर्ड परीक्षाओं में गणित विषय की धरातलीय प्रयोगात्मक परीक्षा.....

1

2

....Integrated Lab...Constructivism/Z.P.D....

शिक्षार्थियों द्वारा बनाई गई इस Integrated Lab की दीवारें बात करती हैं......

Teachers’ Training Through Activities…

Collaboration with other schools /NGOs/ teacher for better benchmarking…..

Integrated Lab visit by Public Schools…

मेरे द्वारा लिए गए विभिन्न Trainings और उनके अनुसार शिक्षार्थियों और विभिन्न Stakeholders के द्वारा किए गए Holistic प्रयासों के OUTCOMES.....

city

नन्हे हाथों के साथ बड़ा काम

• जेपी डोभाल का स्कूली बच्चों के साथ पर्यावरण को संरक्षित करना है मकसद

वरुणावत पर काम

10,000 kg ...

students ... उनका साथ

MBBS 7.5 लाख
9359738181
9358406696

WANTED C & F AGENT
(DEHRADUN / HARIDWAAR)
For a transnational company manufacturing herbal mosquito coils, spray and vaporizers and marketing allover India with intensive adverting and sales promotion. Parties with adequate infrastructure willing to invest above 7.5 lacs only need contact

Congratulations to all successful students !!!
Dr. D. Y. Patil Pratishthan's

cycling is the fitness mantra

रोचक तरीके से सिखा देते हैं गणित के सूत्र

• एक शिक्षक ने बनाई गणित की अनूठी लैब
• सरकारी मदद बिना तैयार की प्रयोगशाला

बिशन सिंह बोरा

देहरादून। राजकीय इंटर कालेज दुध्थली के गणित के शिक्षक एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने गणित की अनूठी प्रयोगशाला तैयार की है। सरकारी मदद के बगैर खुद के सीमित संसाधनों से तैयार यह जनपद की पहली प्रयोगशाला है। जिसके माध्यम से छात्रों को गणित के कठिन सूत्र रोचक तरीके से समझाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस प्रयोगशाला को घर में बेकार पड़ी वस्तुओं से तैयार किया गया है।

प्रदेश के कई स्कूल जहां प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए सरकार का मुंह ताक रहे हैं, वहीं दुध्थली में गणित के सहायक अध्यापक जगदंबा प्रसाद डोभाल ने लीक से हटकर कुछ अलग किया है। डोभाल ने प्रयोगशाला के लिए बच्चों से उनके घर एवं आसपास बेकार पड़ी वस्तुओं को मंगाकर उन्हें विभिन्न आकार दिए। पुरानी बाल काटकर अर्द्ध गोला, क्षतिग्रस्त बाल्टी से शंकु, गत्ते से त्रिभुज, पुराने डिब्बों से घन, घनाभ, चूड़ी से वृत्त, काष्ठ की गोलियों की मदद से ग्रहों की स्थिति आदि माडल बनाए गए। अब प्रयोगशाला में इन उपकरणों की मदद से संख्या पद्धति, निर्देशांक ज्यामिति, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी, क्षेत्रफल, आयतन के बारे में बच्चों को बताया जा रहा है।

इसके अलावा बच्चों में गणित के प्रति रुचि जगाने के लिए पहेलियां, प्रमुख गणितज्ञों की जीवन कथाएं, अंकों के चमत्कार आदि खेल के जरिए उन्हें जानकारी दी जा रही है। शैलेश मटियानी पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक जगदंबा प्रसाद के मुताबिक प्रयोगशाला के निर्माण के लिए किसी तरह की सरकारी मद्द नहीं ली गई। बच्चों से उनके घर एवं आस-पास बेकार वस्तुओं को मंगाकर प्रयोगशाला तैयार की गई। जिसे तैयार करने में दो माह का समय लगा। अपर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक आशा पैन्यूली बताती हैं कि बगैर सरकारी मदद के खुद के सीमित संसाधनों से तैयार की गई जिले की पहली प्रयोगशाला होगी। इसे अन्य स्कूलों के समक्ष उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

एक नजर

दै० जागरण / 31st March16

राइंका दूधली में गणित प्रयोगशाला का शुभारंभ

डोईवाला : राजकीय इंटर कालेज दूधली में रमसा आधारित गणित प्रयोगशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी गीता नौटियाल ने किया। उन्होंने कक्षा 10 तक के प्रत्येक कक्षा के एक-एक विद्यार्थी को एससीईआरटी के माध्यम से पांच-पांच हजार की छात्रवृत्ति देने की घोषणा भी की। डायट में गणित के विशेषज्ञ दीपक नेगी ने प्रयोगशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य डा. हरीश चंद्र शाह ने बताया कि विद्यालय में यह प्रयोगशाला 8, 9, व 10 के विद्यार्थियों के सहयोग से बनाई गई है। प्रयोगशाला स्थापित करने वाले अध्यापक जेपी डोभाल ने कहा कि शीघ्र ही कक्षा 12 तक के लिए इसे उच्चीकृत किया जाएगा। डायट के एलएस यादव, जेपी, अग्रवाल ने इसकी विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। विद्यालय के अध्यापक विजय डोभाल, आरएस पाठक, सोहन लाल ध्यानी, गोकुल गुसाईं, दयाराम बड़थ्वाल व विनोद कुमार आदि उपस्थित थे।

जीआईसी दूधली में मैथ्स लैब स्थापित

देहरादून। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा आयोग की अनुशंसा के मुताबिक राजकीय इंटर कालेज दूधली में मैथ्स लैब की स्थापना कर दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. हरीश चंद्र शाह के मुताबिक लैब कक्षा दस के बोर्ड पाठ्यक्रम के अनुसार बनाई गई है। गणित अध्यापक जेपी डोभाल और सीपी सिंह ने बताया कि लैब में त्रिकोणमिति, ज्यामिति, निर्देशांक ज्योमिति के प्रश्नों को शिक्षण सामग्री की सहायता सेहल किया जा सकेगा। उद्घाटन जिला शिक्षा अधिकारी गीता नौटियाल करेंगी।

राइंका दूधली को तकनीकी शिक्षा में मिला पहला स्थान

- जेपी डोभाल को सर्वश्रेष्ठ अध्यापक घोषित किया गया

डोईवाला, जागरण कार्यालयः राजकीय इंटर कालेज दूधली ने उत्तराखंड शासन व इंटेल के सौजन्य से आयोजित प्रतियोगिता में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए राज्य व मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंटेल की ओर से इसी विद्यालय के अध्यापक जेपी डोभाल को राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अध्यापक घोषित किया गया है।

राजकीय इंटर कालेज दूधली के प्रधानाचार्य डा. हरीश चंद्र शाह ने बताया कि वर्ष 2005-06 में आयोजित इस प्रतियोगिता के विजेताओं को इसी माह देहरादून में मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा में तकनीक के प्रयोग के क्षेत्र में इस विद्यालय ने अपना दबदबा बनाया। विद्यालय की छात्रा विभा वोरा व कविता वोरा ने अध्यापक जेपी डोभाल के निर्देशन में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न के साथ पांच हजार रुपये का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। इसी विद्यालय के अजय, रिंकू, आर[illegible] विद्यालय में प्रोजेक्ट पर आधारित पठन-[illegible] कराने पर मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त [illegible] इन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न व दो हजार [illegible] का पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं इंटेल की [illegible] अध्यापक जगदीश डोभाल को राज्य स्त[illegible] 2004-05 के लिए सर्वश्रेष्ठ अध्यापक [illegible] किया गया। उन्होंने बताया कि इंटेल के [illegible] स्तर व एशिया पेसिफिक क्षेत्र के शिक्षा [illegible] अंशुल सोनक द्वारा शीघ्र ही राज्य के [illegible] विद्यालयों को कम्प्यूटर के 4-4 सेट प्रदा[illegible] जाएंगे। छात्रा विभा वोरा ने कहा कि [illegible] तकनीकी को आपस में जोड़कर समाज, [illegible] व विद्यालय प्रत्येक को महत्वपूर्ण लाभ [illegible] है। इस मौके पर जगदंबा प्रसाद, सीपी [illegible] प्रधान सुमंत चौधरी, आनंदी जोशी, प्रदी[illegible] करन वोरा, दरपान सिंह वोरा आदि [illegible]

चुटकी में हल करेंगे कठिन सवाल

- सरल प्रयोगों के निष्कर्षों पर बनेगी किताब
- डायट में क्रियात्मक शोध पर दो दिनी सेमिनार का समापन

रा.इं.का. दूधली के विद्यार्थी स्वनिर्मित गणित प्रयोगशाला का प्रदर्शन करते हुए

वरिष्ठ संवाददाता देहरादून

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित सेमिनार में प्रस्तुत सरल प्रयोगों के निष्कर्षों की किताब तैयार की जाएगी, जिसे सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से स्कूलों में वितरित किया जाएगा।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत हुए दो दिनी आयोजन के समापन पर शिक्षकों ने क्रियात्मक शोध के निष्कर्षों पर सलाह-मशविरा किया। अभिनव प्रयोगों की जानकारी भी दी गई, साथ ही स्वीकृत शोधों के अभिलेखीकरण की कार्रवाई की गई। अध्यापकों ने बताया कि क्रियात्मक शोध के आधार पर जब उन्होंने बच्चों को पढ़ाया तो उसके सकारात्मक परिणाम मिले। यहां तक कि भाषागत व मात्राओं की बेसिक जानकारी देने के बाद बच्चे चित्रों को देखकर कहानी व कविता की रचना करने लगे। राजकीय इंटर कालेज दूधली के कक्षा नौ व दस के बच्चों ने प्रधानाचार्य हरीश चंद शाह, सीपी सिंह व जेपी डोभाल के निर्देशन में बनाई गई ऐसी लैब का प्रदर्शन किया, जिससे कक्षा दस तक की रेखागणित, निर्देशांक ज्यामिति, सांख्यिकी, ठोस ज्यामिति व प्रोबॉबिलिटी के प्रश्न हल किए जा सकते हैं। झाड़ू की बेकार सींकों व पिन से रेखागणित की गतिशील किट तैयार की गई है, जिससे विद्यार्थी स्वयं सवालों को हल कर सकते हैं। दीपक नेगी, नीलम बिष्ट, कमला, जगदंबा प्रसाद डोभाल, कलावती भंडारी, सुरेश चंद्र, भगवान सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह रावत, शशिभूषण उनियाल, दिनेश भट्ट, आरबी सिंह ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। मंगलवार को कार्यक्रम का उद्घाटन एससीईआरटी के अपर निदेशक एनएनपी पांडे ने किया। डायट के प्राचार्य जेपी यादव के निर्देशन में चले कार्यक्रम में मुकेश शर्मा, हेम[illegible] नौटियाल आदि शिक्षक [illegible]

विज्ञान ड्रामे में विद्यार्थियों ने पहनी कलाम की वेशभूषा

हरिद्वार। राज्य विज्ञान महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित विज्ञान ड्रामे में बच्चे अपने प्रिय चाचा कलाम की वेशभूषा पहनकर मंच पर आए। छात्रों ने ड्रामे के जरिए मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के जीवनवृत और उनकी खोज का प्रदर्शन किया।

महोत्सव का पहला ड्रामा पौड़ी जिले के छात्रों ने खेला। गाइड शिक्षिका आशा डोभाल और किरण के निर्देशन में आठ छात्रों ने मंच पर डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन वृत से लेकर उनकी वैज्ञानिक खोज का प्रदर्शन किया। गाइड कविता छावड़ा और शोभा गहलोत के निर्देशन में ऊधमसिंह नगर की टीम ने वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टीन के जीवन परिचय पर आधारित ड्रामे का प्रदर्शन किया। रुद्रप्रयाग जिले के छात्रों ने डॉक्टर शिखा ममगांई और डीपी सेमवाल के निर्देशन में वातावरण विषय पर ड्रामे का प्रदर्शन किया।

अंदाज

पांच जिलों के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

देहरादून जिले के प्रतिभागियों ने जेपी डोभाल और एसपी सेमवाल के निर्देशन में मिसाइल मैन शीर्षक से ड्रामा खेला। मिसाइलमैन ड्रामे में प्रतिभाग कर रहे बच्चे अपने प्रिय चाचा कलाम की वेशभूषा में मंच पर पहुंचे। ड्रामा देख रहे लोगों ने जब बच्चों को देश के सबसे प्रिय राष्ट्रपति रहे अब्दुल कलाम की वेशभूषा में देखा, तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। ड्रामे में निर्णायक की भूमिका डॉक्टर राकेश भूटियानी, डॉक्टर रमेशचन्द्र शर्मा और रोहताश कुंवर ने निभाई।

दूधली की दो छात्रा राज्य विज्ञान महोत्सव में प्रथम

- राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी

जागरण कार्यालय, डोईवाला : राज्य विज्ञान महोत्सव में राजकीय इंटर कालेज दूधली की टीम में शामिल दो छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

भूकंप व भूस्खलन के प्रभावों को वैज्ञानिक विधियों के प्रयोगों से 90 प्रतिशत तक कम करने वाले प्रोजेक्ट टीम की यह दोनों सदस्य राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में उत्तरांचल राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। राजकीय इंटर कालेज दूधली की टीम में कु. ऋतु वोरा, कविता वोरा, शिक्षक जेपी डोभाल शामिल थे। टीम ने राज्य में भूकंप व भूस्खलन के कारण तथा उनका समाधान विषय पर प्रोजेक्ट बनाने से पहले कई ग्रामीण व पर्वतीय क्षेत्रों में व्यापक सर्वेक्षण किया। प्रोजेक्ट में हिमालय की उत्पत्ति व पृथ्वी के अंदर प्लेटों के खिसकने के प्रयोग को कार्यकारी रूप दिया गया। देहरादून जनपद से कु. आंचल यादव भी राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। टीम ने हाल में पंतनगर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

एसडीएम को ज्ञापन

ऋषिकेश: गौहरी माफी रायवाला निवासी सुंदर सिंह कैंतुरा ने कुछ लोगों पर उसकी कृषि योग्य भूमि को खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाया है। उन्होंने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 2002 में प्रेम सिंह से दो बीघा भूमि क्रय की थी। वह उक्त भूमि पर कृषि के माध्यम से अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है, किंतु कुछ लोग उसकी भूमि को बेचने की साजिश रच रहे हैं। एसडीएम ने सब रजिस्ट्रार को जांच कर भूमि का क्रय-विक्रय रोकने के निर्देश दिए है।

Social Accountability

गौरी

चुनौतियां.... 1991 to 2019....Opportunities

1. **Critical Infrastructure......**आधारभूत जरूरतों से संबंधित चुनौतियां– भवन, बिजली, पानी, शौचालय, फर्नीचर आदि........

2. **Lateral/Critical Thinking** की समझ को विकसित करने की चुनौती......

3. अन्य **Stakeholders,** परिवर्तन को स्वीकार करने में असफल हो जाते हैं.......

4. **Institutional Fit Person** का भाव नहीं /कम है...

5. **Intrinsic Motivation** की कमी....

छठवां विद्यालय --July2019-July 2022

राजकीय इंटर कॉलेज केसरधार नैचोली

1-भौगोलिक रूप से बहुत ही चुनौतीपूर्ण एवं दुर्गम स्थल ......

2-Basic Infrastructure बहुत ही Critical....

3-सभी गांवों से पलायन हो चुका है.... यातायात/ पानी /आवास और इंटरनेट की सुविधा नहीं.....

4-Educational Catchment area--5 K.M. तक

5-शिक्षार्थी लगभग 90+....

6-बहुत ही गर्म क्षेत्र.... जंगल के रास्ते...जंगली जानवरों का भय ....

7-बोर्ड परीक्षा फल... **100%**

8-Overall Outcomes-- बहुत अच्छे... .क्योंकि चुनौतियां भी बड़ी थी....

नया भवन

कोरोना काल के दौरान इस विद्यालय में OUTCOME-1

साफ हथेली

हथेली पर जमी गंदगी

नाखूनों के अंदर जमी गंदगी

OUTCOME-2.. AI (NeGD) प्रतियोगिता में देश भर से चयनित 100 टीमों में से दो टीम हमारे विद्यालय की.....

National E- Governence Division (Dept. of Electronics and Information Technology)

OUTCOME-3 V.P.N. और A.I.R.M.C. द्वारा आयोजित गणितीय मॉडलिंग प्रतियोगिता में.....

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार, All India Ramanujan Math Club और Vigyan Prasar Network (India) द्वारा आयोजित ज्यामितीय मॉडलिंग आधारित गणितीय प्रतियोगिता.2020—2021 में

रा0 इ0 का0 केसरधार नैचोली टिहरी गढ़वाल उत्तराखण्ड

1—विद्यालय—देश भर में प्रथम स्थान

2—सीनियर वर्ग—देश भर में द्वितीय स्थान.....(अदिती उनियाल)

3—जूनियर वर्ग—देश भर में पंचम स्थान....(शुभम रावत)

OUTCOME-4 JIGYASA, AZADI KA AMRIT MAHOTSAV QUIZ प्रतियोगिता में…

विद्यालय की छात्रा राधिका पुंडीर

1. जिले में प्रथम

2. राज्य में प्रथम

3. Global Ranking में 72 वें स्थान पर

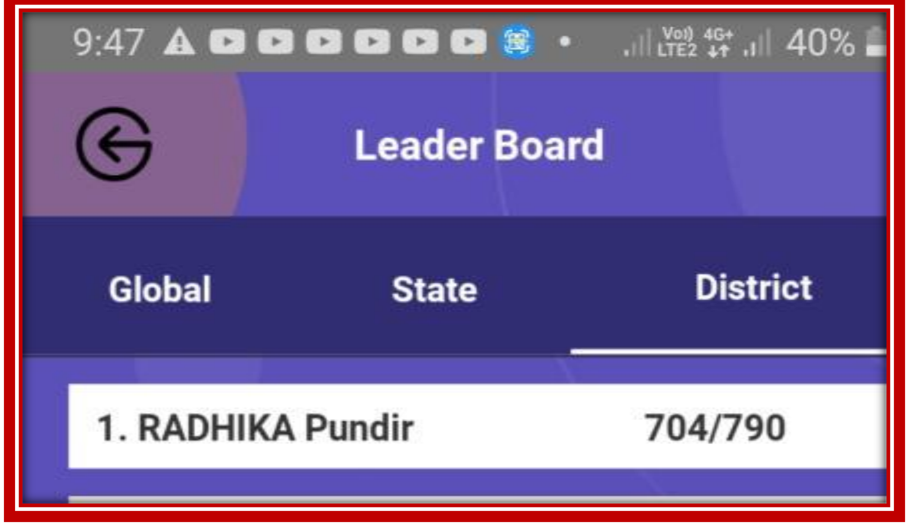
9:47
40%
Leader Board
Global
State
District
1. RADHIKA Pundir 704/790

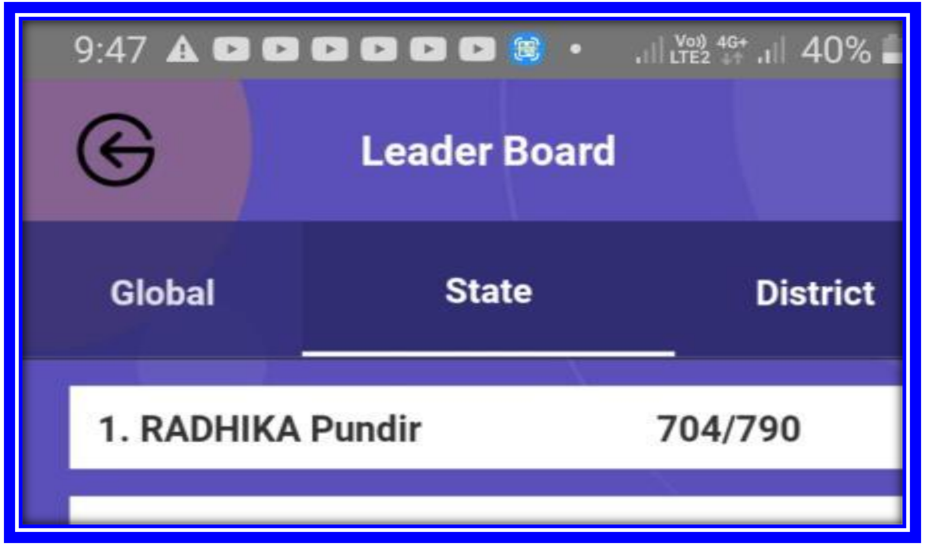
9:47
40%
Leader Board
Global
State
District
1. RADHIKA Pundir 704/790

Leader Board
Global
State
District
67. Shruthi 712/760
68. Anvita Labhane 708/800
69. SHASHIKANT MANDAL 708/990
70. Kanika 708/800
71. Lalchand Ram 704/750
72. RADHIKA Pundir 704/790

OUTCOME-5 **Mathematics Excellency Centre में**

(DIET BARKOTE-Uttarakhand)

मुख्य संदर्भदाता के रूप में

(DIET BARKOTE-Uttarakhand)

सातवां विद्यालय--July-2022 से वर्तमान तक रा0 इं0 कॉ0 उप्पू, टिहरी गढ़वाल

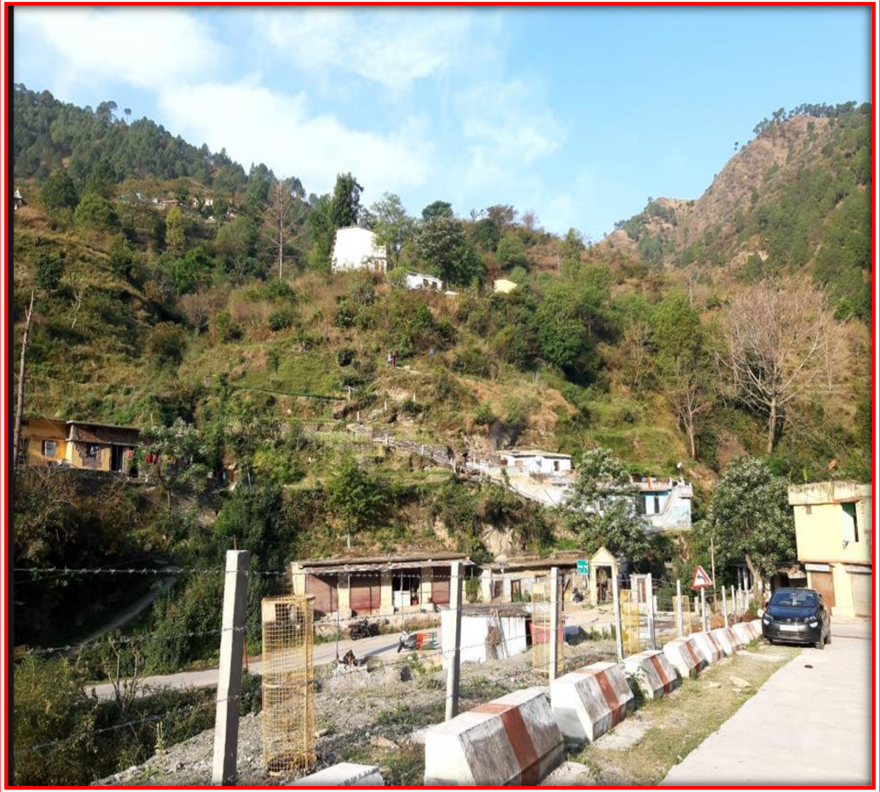

OUTCOME-1.....विज्ञान महोत्सव में एक छात्रा गणित आधारित प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित....

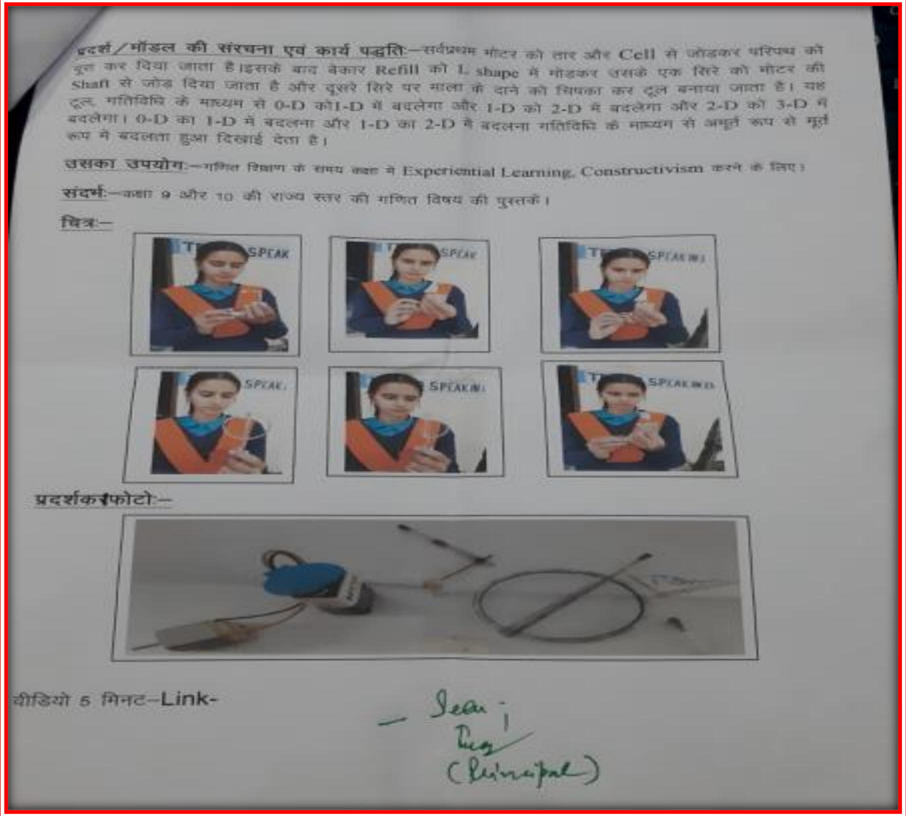

प्रदर्श/मॉडल की संरचना एवं कार्य पद्धति:—सर्वप्रथम मोटर को तार और Cell से जोड़कर परिपथ को पूरा कर दिया जाता है।इसके बाद बेकार Refill को L shape में मोड़कर उसके एक सिरे को मोटर की Shaft से जोड़ दिया जाता है और दूसरे सिरे पर माला के दाने को चिपका कर टूल बनाया जाता है। यह टूल गतिविधि के माध्यम से 0-D को1-D में बदलेगा और 1-D को 2-D में बदलेगा और 2-D को 3-D में बदलेगा। 0-D का 1-D में बदलना और 1-D का 2-D में बदलना गतिविधि के माध्यम से अमूर्त रूप से मूर्त रूप में बदलता हुआ दिखाई देता है।

उसका उपयोग:—गणित शिक्षण के समय कक्षा में Experiential Learning, Constructivism करने के लिए।

संदर्भ:—कक्षा 9 और 10 की राज्य स्तर की गणित विषय की पुस्तकें।

चित्र:—

प्रदर्शक फोटो:—

वीडियो 5 मिनट—Link-

(Principal)

OUTCOME-2 S.A.M.R. Model के आधार पर Redefining the Teaching-Learning Process…**Mobile Class**

क्या एक सामान्य से और दुर्गम श्रेणी के सरकारी स्कूल में (अटल उत्कृष्ट, मॉडल आदि कुछ भी नहीं)

1–बिना Internet के या बिना Net Pack के....

2–बिना SMART BOARD/CLASS के...

4–बिना Computer/Laptop और भौतिक रूप के किताबों के........

6–बिना नोटबुक Pen/Pencil/Eraser के...

7–100% Paperless Form में......

Dr. R. Puentedura—2010 A.D.

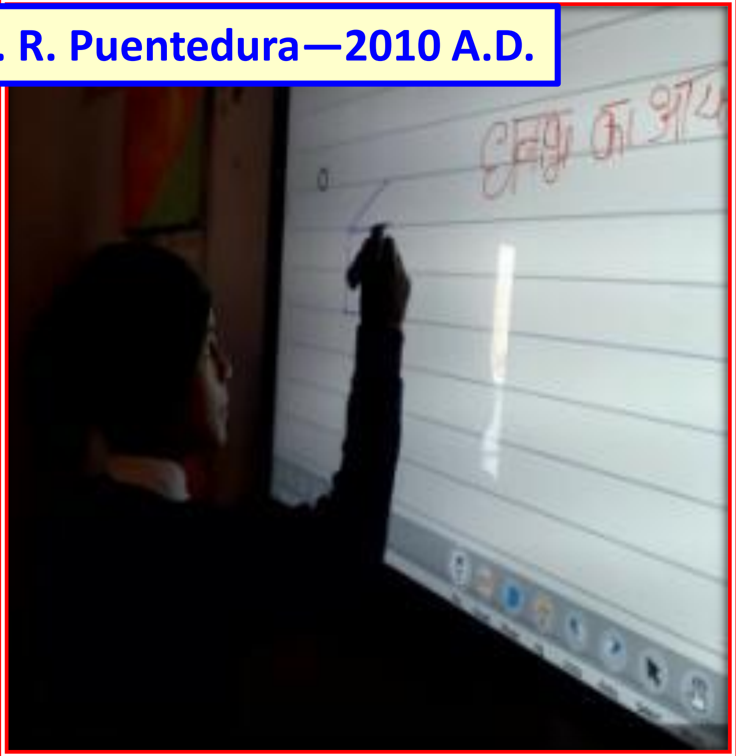

1
NCERT
किताबें और
समाधान
ePathshala
Ncert Hindi
Books , Sol...
DIKSHA
Keep My
Notes

2
जीव विज्ञान

3
Oogenesis

Redefining the Teacher’s diary

	A	B	C	D	E	F
1	कम सं0	संबोध एवं पाठ संख्या	संबोध व उपसंबोध के सूचकांक		क्रियाकलाप	ी कियाकलाप के दक्षता सूचक
2	1	संख्या पद्धति	1/1	परिमेय एवं अपरिमेय संख्याओं की संकल्पना समझता है।	संख्या रेखा का निमार्ण करना। √3,√5,V6 आदि को संख्या रेखा पर प्रदर्शित करने वाले मॉडल का निर्माण करना।	निर्मित मॉडल की सहायता से संख्या रेखा पर परिमेय व अपरिमेय संख्या प्रदर्शित करता है।
3			1/2	किन्हीं भी दो परिमेय या अपरिमेय संख्याओं के बीच की कितनी भी परिमेय या अपरिमेय संख्याएँ ज्ञात करता है।		संख्या रेखा पर √3,√5,√6 आदि को प्रदर्शित करके उनके मान/लम्बाई ज्ञात करता है। निर्मित मॉडल की सहायता से संख्या रेखा पर किन्हीं भी दो परिमेय या अपरिमेय संख्याओं के बीच की कितनी भी परिमेय या अपरिमेय संख्याएँ ज्ञात करता है।
4			1/3	सांत एवं अनवसानी पुनरावर्ती प्रकार की दशमवलव संख्याओं को परिमेय रूप में बदल दर्शाता/दर्शाती है। है। ळे		
5			1/4	किसी भी सांत दशमलव संख्या को उत्तरोत्तर आवर्धन द्वारा प्रदर्षित करता है।		
6			1/5	किसी भी अपरिमेय संख्या का परिमेयीकरण करता है।		
7			1/6	धातांक नियमों की अवधारणा को समझकर, अनुप्रयोग करता है।	संख्या रेखा पर किसी भी परिमेय या अपरिमेय संख्या को प्रदर्शित करने वाला चल मॉडल बनाना।	निर्मित मॉडल की सहायता से संख्या रेखा दशमलव रूप की किसी भी संख्या का उत्तरोत्तर आवर्धन प्रदर्शित करता है।
8			1/7	परिमेय एवं अपरिमेय संख्याओं के विभिन्न घात रूपों को हल करता है।		
9			1/8	करणीगत राशियों का हल करता है।		
10			2/1	बीजीय व्यंजक, बहुपद, एकपदी, द्विपद, त्रिपद, रैखिक बहुपद, द्विघातीय बहुपद एवं शून्य बहुपद आदि को समझता है एवं उनमें तर्कपूर्ण विभेद करता है।	विभिन्न बीजीय सर्वसमिकाओं को	निर्मित मॉडल की सहायता से विभिन्न बीजीय

Curriculum-9 | SYLLABUS-Class 9 | INDICATORES CLASS 9 | STUDENT PROFILE

Ready

करोना कॉल के बाद की चुनौतियां

1. शिक्षा के सभी स्तरों पर **T.P.A.C.K. Framework** **(P.Mishra, J. Kehler-2006)** की समझ को विकसित करने की आवश्यकता है.....**(Geogebra)**
2. शिक्षा के सभी स्तरों पर **S.A.M.R. Model** की समझ को विकसित करने की आवश्यकता है....
3. शिक्षा का सही अर्थ समझने की आवश्यकता है.....**Online /Synchronized Teaching** को समझने की आवश्यकता है..
4. हमें **Physical Resources** के बजाय **Academic Resources** पर ध्यान देने की आवश्यकता है...
5. **Job Fit Theory** को **Institutional Theory** में **Transform** करने की आवश्यकता है

भावी योजनाएं

राजकीय सेवा में अभी 7 (5+2) वर्ष शेष हैं V.R.S. लेकर पत्रकारिता के क्षेत्र में Education Beat Join करने की पूरी तैयारी है....

Credit—Indian Express..National Issue

धन्यवाद

उद्देश्य....युवाओं में
सृजनात्मक सोच (Creative
Thinking) उत्पन्न करके
10वीं
दिनांक
देहरादून
Give
Samsung Triple Camera